सांध्य दैनिक

4PM

उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाये।

-स्वामी विवेकानंद

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 144 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 1 जुलाई, 2026

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी20... 7 | महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी में... 3 | राम मंदिर के चढ़ावे का कोई स्पष्ट... 2

नायरा एनर्जी ने सस्ता किया पेट्रोल, और क्यों हो गए गोल

दूसरी कंपनियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही

- पेट्रोल 5 और डीजल 3 रुपये प्रति लीटर सस्ता
- कामर्शियल गैस सिलेंडर के भी घटाए दाम
- रिलायंस, इंडियन और भारत पेट्रोल समेत कई और कंपनियां कर रही है तेल का कारोबार
- महंगा पेट्रोल कर चुका है आम आदमी का जीवन अस्त व्यवस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज 4PM किसी खबर के साथ नहीं बल्कि एक अहम सवाल के साथ पाठकों के बीच हाजिर है। एक ऐसा सवाल जिसे भारतीय मीडिया उठाना तो चाहता है लेकिन डर के कारण पूछ नहीं पा रहा और घूमा फिरा कर बात कर रहा है। वह सवाल पूरे देश के पेट्रोल पंपों पर खड़ा है।

सवाल यह है कि अगर एक कंपनी देश में अपने पेट्रोल पंप पर पांच रुपये और डीजल पर तीन रुपये प्रति लीटर तेल सस्ता कर सकती है तो फिर बाकी कि कंपनियां किसका इंतजार कर रही हैं? कच्चा तेल जब महंगा होता है तो पेट्रोल पंपों पर नया रेटबोर्ड बदलने में देर नहीं लगती। महंगाई बिना निमंत्रण के घर में घुस जाती है। लेकिन जब कच्चे तेल की कीमतें नरम पड़ती हैं तो इन कंपनियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगती और उनके मुनाफे का मीटर चलता रहता है। आखिर राहत हमेशा सबसे आखिर में ही क्यों पहुचती है?

> "आज बहस का मुद्दा यह नहीं कि किसने कीमत घटाई बल्कि बहस का मुद्दा यह है कि जब राहत देना संभव है तो राहत सब तक कब पहुंचेगी?"

पारदर्शिता हमेशा विश्वास बढ़ाती है

उपभोक्ता को सिर्फ महंगाई की वजह समझाई जाए और राहत की वजह नहीं तो सवाल उठना लाजमी है। ईंधन केवल एक उत्पाद नहीं है। यही ट्रैक्टर चलाता है इसी से ट्रक चलाता है और बस के पहिये को भी यही घूमाता है। और यही देश की महंगाई का तापमान भी तय करता है। इसलिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों का सवाल सिर्फ तेल कंपनियों का व्यावसायिक निर्णय नहीं हो सकता यह करोड़ों परिवारों की रसोई किसानों की लागत व्यापारियों के खर्च और आम आदमी के मासिक बजट का ज्वलंत सवाल भी है। आज बहस का मुद्दा यह नहीं कि किसने कीमत घटाई बल्कि बहस का मुद्दा यह है कि जब राहत देना संभव है तो राहत सब तक कब पहुंचेगी? क्योंकि जनता का सवाल सीधा है जब महंगाई सबके लिए आती है तो राहत भी सबके लिए एक साथ क्यों नहीं आती?

क्या बाजार के नियम सिर्फ एक दिशा में चलते हैं?

यह सवाल किसी एक कंपनी का नहीं है। यह सवाल उस व्यवस्था का है जो महंगाई की खबर पर फुर्तीली और राहत की खबर पर सुस्त दिखाई देती है। देश का आम आदमी अर्थशास्त्र की मोटी किताब नहीं पढ़ता। उसे केवल इतना समझ आता है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है तो उसकी जेब पर असर तुरंत पड़ता है। लेकिन जब वही कीमत घटती है तो उसकी जेब तक राहत पहुंचने में इतना लंबा सफर क्यों तय करना पड़ता है? क्या बाजार के नियम सिर्फ एक दिशा में चलते हैं? क्या महंगाई एक्सप्रेस ट्रेन है और राहत पैसेंजर? आज नायरा एनर्जी ने कीमतें घटाकर पूरे ईंधन बाजार के सामने एक आईना रख दिया है। अब सवाल सिर्फ यह नहीं कि उसने दाम क्यों घटाए। सवाल यह है कि बाकी कंपनियां अपने उपभोक्ताओं को कब राहत देंगी? यदि लागत, कर, परिवहन और अन्य आर्थिक कारण अलग हैं तो उन्हें खुलकर बताया जाना चाहिए।

कौन है नायरा एनर्जी जिसने ईंधन बाजार में छेड़ दी नई बहस?

नायरा एनर्जी भारत की प्रमुख निजी तेल और रिफाइनिंग कंपनियों में से एक है। कंपनी का पुराना नाम एस्सार ऑयल था जिसे स्वामित्व परिवर्तन के बाद नायरा एनर्जी के नाम से जाना जाने लगा। गुजरात के वाडिनार में स्थित इसकी रिफाइनरी देश की बड़ी निजी रिफाइनरियों में शामिल है। देशभर में इसके 7 हजार से अधिक पेट्रोल पंप संचालित हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में भी नायरा एनर्जी ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। निजी क्षेत्र की कंपनी होने के बावजूद इसने खुदरा ईंधन बाजार में सरकारी तेल कंपनियों को कड़ी प्रतिस्पर्धा दी है।

आज कंपनी ने पेट्रोल की कीमत में 5 रूपये प्रति लीटर और डीजल में 3 रूपये प्रति लीटर की कटौती कर पूरे ईंधन क्षेत्र में नई बहस छेड़ दी। यह कटौती ऐसे समय हुई है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखने को मिली है। इसी अवधि में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी कमी दर्ज की गई।

होर्मुज को मत भूल जाना

कुछ दिन पहले तक पूरी दुनिया की निगाहें होर्मुज की ओर थी। आशंका थी कि यदि वहां से तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई तो कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं। उसी आशंका के आधार पर महंगाई की चेतावनियां जारी हुई और फरवरी से अभी तक का समय आम आदमी के लिए बेचैनी भरा रहा हालांकि अब जब तनाव कम हुआ है आपूर्ति सामान्य बनी रही और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आयी है तो उपभोक्ता का सवाल भी उतना ही स्वाभाविक है। अगर होर्मुज के खतरे का असर हमारी जेब तक पहुंच सकता है तो होर्मुज के शांत होने का असर भी पहुंचना चाहिए या नहीं?

राम मंदिर के चढावे का कोई स्पष्ट रिकॉर्ड नहीं : प्रो. रामगोपाल यादव

» सपा सांसद बोले- चोरी में केवल चंपत राय ही नहीं बल्कि बड़े-बड़े लोग भी शामिल हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा सांसद व सपा प्रमुख के चाचा प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मंदिर के चढ़ावे के मामले में केवल चंपत राय ही नहीं, बल्कि बड़े-बड़े लोग भी शामिल हैं।

रामगोपाल यादव ने कहा कि देश के कई बड़े मंदिरों में चढ़ावे के सोने-चांदी का पूरा रिकॉर्ड रखा जाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि तिरुपति मंदिर में चढ़ाए गए सोने को गलाकर सिक्के और लॉकेट बनाए जाते हैं और पूरी प्रक्रिया का हिसाब-किताब दर्ज होता है, उन्होंने कैमरे पर तिरुपति मंदिर का एक सोने का लॉकेट भी दिखाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर के चढ़ावे में सोने-चांदी का कोई स्पष्ट रिकॉर्ड सामने नहीं आया है. उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान जब लोग चंदा एकत्र कर रहे थे, तब उनके घर भी चंदा लेने लोग आए थे और उन्होंने भी योगदान दिया था, लेकिन उस चंदे का कोई हिसाब-किताब नहीं है।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि आंदोलन के दौरान नेताजी मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे। आंदोलन के दौरान ईंटे पूजा गई थी। हम आंदोलन के पक्ष में नहीं थे लेकिन मेरे घर भी लोग चंदा मांगने आए थे हम लोगों ने भी उसे समय चंदा दिया था, उसका कोई हिसाब किताब नहीं ई।

सपा में बढ़ी सियासी हलचल चर्चाओं का मचा शोर

लखनऊ। समाजवादी पार्टी में सियासी सरगर्मी अचानक उस समय बढ़ गई जब विधायक कमाल अख्तर ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में चीफ व्हिप के पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। इससे पार्टी के विधायी नेतृत्व में एक और फेरबदल की संभावना बन गई है। मुरादाबाद की कांठ विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले अख्तर ने सांसद रुचि वीरा के साथ मतभेदों की खबरों के बाद यह कदम उठाया है। पार्टी नेतृत्व ने हाल ही में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए लखनऊ में एक बैठक बुलाई थी, और उनके इस्तीफ़े से पार्टी के भीतर नए समीकरणों को लेकर अटकलें तेज़ हो गई हैं। यह घटनाक्रम देश भर की राजनीतिक पार्टियों में नेताओं के दल-बदल और संगठनात्मक बदलावों के दौर के बीच सामने आया है।

पार्टी प्रमुख के आदेशों का पालन करते रहेंगे : अख्तर

हालांकि, अख्तर ने कहा कि वह पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के आदेशों का पालन करते रहेंगे। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि हमने हमेशा माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी के आदेशों का पालन किया है और भविष्य में भी जो भी आदेश मिलेंगे, मैं उनका हमेशा पालन करता रहूंगा। अख्तर से पहले, चीफ व्हिप का पद मनोज पांडे के पास था, जिन्होंने बाद में क्रॉस-वोटिंग करके पार्टी लाइन तोड़ी और आखिरकार सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। पांडे अब बीजेपी के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री हैं।

दर्शन पूजन से किसी को रोकना जायज नहीं : राय

» पुलिस की निगरानी में दर्शन पूजन कर लखनऊ लौटे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष डा. सीपी राय ने अयोध्या में दर्शन से रोकने पर सरकार पर निशाना साधा है। सवाल किया कि दर्शन पूजन से किसी को रोकना कहां तक जायज है। उन्होंने दर्शन पूजन से रोकने को अलोकतांत्रिक कदम बताया और सरकार पर चढ़ावा चोरी के सवालों से भागने का आरोप लगाया।

इस घटनाक्रम से साफ है कि प्रदेश सरकार पूरी तरह घबरा गई है। सरकार चढ़ावा चोरी को अब भी छिपाने का कुत्सित प्रयास कर रही है। सीपी राय ने पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए।उन्होंने पूछा कि यदि दर्शन कराना ही था तो कल से आज तक इतनी पुलिस बल लगाकर रोकने का क्या औचित्य था। कांग्रेस नेता ने दोहराया कि प्रदेश सरकार सवालों से बच नहीं सकती है। चढ़ावा चोरी के आरोपी कतई बच नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब तक इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, कांग्रेस पार्टी आवाज उठाती रहेगी। यह मुद्दा सरकार के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है।

आपको बता दें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मंगलवार शाम करीब पौने आठ बजे पुलिस की निगरानी में अयोध्या रामलला के दर्शन पूजन किए। उसके बाद वह लखनऊ के लिए रवाना हो गए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अन्य नेताओं को मंगलवार सुबह रामलला के दर्शन पूजन करना था, लेकिन सभी को रात में ही नजरबंद कर लिया गया। अजय राय को अयोध्या के होटल से हिरासत में लेकर नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज के गेस्ट हाउस ले जाया गया। जहां दिनभर वहीं रहे। देर शाम करीब पौने आठ बजे उन्हें पुलिस की निगरानी में रामलला मंदिर ले जाया गया, जहां दर्शन पूजन के बाद वह लखनऊ रवाना हुए।

आलसी और आरामतलबी वाली जिंदगी से बाहर निकलिए अखिलेश जी : राजभर

» सुभासपा नेता ने सपा प्रमुख को दी जन्मदिन की बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव को जन्मदिन पर यूपी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अनोखे अंदाज में बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव पर तंज कसा है। जन्मदिन की बधाई तंज भरे अंदाज में देते हुए ओपी राजभर ने लिखा कि अखिलेश यादव को आलस त्यागना चाहिए और एसी-पीसी से बाहर निकलकर अब गांव की पगडंडियां भी नापना चाहिए। उम्र और अनुभव में बड़ा होने के नाते मैं आपको यही बेशकीमती सलाह दे सकता हूं।

ओपी राजभर ने अपनी पोस्ट में लिखा अखिलेश यादव को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। बहुत सोचा कि आपको उपहार में क्या दूं। आप ठहरे बड़े घर के बेटे, पिताजी पूर्व सीएम और रक्षामंत्री रहे, आप खुद पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं, आलिशान बंगलों में जीवन गुजरा है, हम भला क्या दे सकते हैं आपको। मगर उम्र और अनुभव में बड़ा होने के नाते एक बेशकीमती सलाह हम आपको दे सकते हैं। इस सलाह को ही जन्मदिन पर मेरी तरफ से उपहार मानिएगा। सलाह यही है कि आप अपनी आलसी और आरामतलबी वाली जिंदगी से जितना जल्दी हो सके बाहर निकलिए,। एसी और पीसी वाली राजनीति का जितना जल्दी हो सके त्याग करेंगे उतना आपके लिए अच्छा रहेगा।

ओपी राजभर ने लिखा आलस से बाहर निकलकर गांव-देहात की पगडंडियां भी नापिए, गैर-यादव पिछड़ों, गरीबों, दलितों, वंचितों और समाज के हर वर्ग के बीच जाकर, उनके सुख-दुख में शामिल होइए। नये उत्तर प्रदेश को देखिए और समझने का प्रयास कीजिए। बस खाली एसी में बैठकर ट्विटर पर खेत-किसान, मेड़-पगडंडी वाला वीडियो मत देखते रहिए।

भाजपा सांसद राघव चड्ढा को हाईकोर्ट का झटका

» मानहानि वाली सामग्री को हटाने के लिए कोई भी व्यापक अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

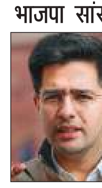

नई दिल्ली। व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की भाजपा सांसद राघव चड्ढा की मांग पर सभी सामग्री हटाने से हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया है। हालांकि, कोर्ट ने पांच छेड़छाड़ किये गए दस्तावेज हटाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि बाकी सामग्री मानहानि वाला नहीं है।

कोर्ट ने व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा और मानहानि वाली सामग्री को हटाने के लिए कोई भी व्यापक अंतरिम आदेश जारी करने से भी इनकार कर दिया। कोर्ट ने 21 मई को अंतरिम रोक की अर्जी पर दलीलों की सुनवाई के दौरान शुरुआती तौर पर यह टिप्पणी की थी कि चड्ढा द्वारा बताए गए कंटेंट से व्यक्तिगत अधिकारों का कोई उल्लंघन नहीं होता है। कोर्ट ने तब यह भी कहा था कि यह राजनीतिक आलोचना जैसा ज्यादा था।

राहुल गांधी के सिख समुदाय संबंधी बयान पर वाराणसी कोर्ट में सुनवाई पूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। अमेरिका दौरे में सिख समुदाय को लेकर दिए गए बयान के मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका पर मंगलवार को विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत में सुनवाई हुई। अदालत ने मामले में आदेश के लिए नौ जुलाई की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता नागेश्वर मिश्र की ओर से वकील अलख नारायण राय ने राहुल गांधी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का आदेश देने की मांग की।

प्रतिवादी राहुल गांधी की ओर से कोई भी अदालत में उपस्थित नहीं हुआ। सितंबर-24 में अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा था कि लड़ाई इस बात को लेकर है कि भारत में एक सिख के रूप में अपनी पगड़ी बांध सकते हैं या नहीं, कड़ा पहन सकते हैं या नहीं, किसी गुरुद्वारे में जा सकते हैं या नहीं। 26 सितंबर 24 को वाराणसी की अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया था। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (चतुर्थ) एमपी-एमएलए नीरज कुमार त्रिपाठी ने 28 नवंबर, 2024 को प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया था। इस फैसले को चुनौती देते हुए जिला जज की अदालत में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की गई। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) यजुवेंद्र विक्रम सिंह ने 21 जुलाई, 2025 को याचिका स्वीकार करते हुए मामले की दोबारा सुनवाई का आदेश अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को दिया। इस आदेश को राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन उनकी याचिका खारिज कर दी गई। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (चतुर्थ) एमपी-एमएलए की अदालत ने सुनवाई के बाद 17 अक्टूबर, 2025 को प्रार्थना पत्र दोबारा निरस्त कर दिया। इस आदेश के खिलाफ एक बार फिर पुनरीक्षण याचिका दायर की गई, जिस पर विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत में सुनवाई चल रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

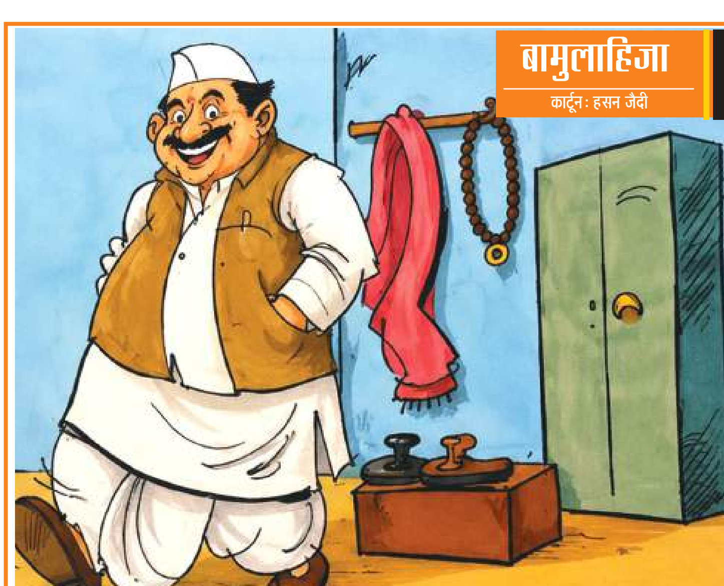

तमिलनाडु की राजनीति में मचा उबाल

पूर्व बीजपी नेता ने कहा- डीएमके फाइल्स के एक-एक आरोप पर आज भी कायत

» 100 करोड़ का मानहानि केस वापस लेने पर अन्नामलाई का करारा वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता के. अन्नामलाई ने बड़ा दावा करते हुए राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। अन्नामलाई के अनुसार, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के सांसद टी.आर. बालू ने उनके खिलाफ दायर किया 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा वापस ले लिया है।

इस घटनाक्रम के बाद अन्नामलाई ने दोटूक लहजे में कहा कि वे सत्ताधारी पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के अपने हर एक आरोप पर आज भी पूरी तरह कायम हैं। यह कानूनी विवाद अन्नामलाई के बहुचर्चित डीएमके फाइल्स कैंपेन से जुड़ा हुआ है, जिसके तहत उन्होंने सत्तारूढ़ दल के शीर्ष नेताओं की कथित संपत्तियों का ब्यौरा सार्वजनिक किया था। एक्स पर एक पोस्ट में, अन्नामलाई ने कहा कि बालू ने मानहानि का केस तब दायर किया था जब उन्होंने अपने डीएमके फाइल्स कैंपेन के ज़रिए सीनियर छ्रब्य नेता और उनके परिवार की कथित संपत्ति और कंपनियों की जानकारी सार्वजनिक की थी। अन्नामलाई ने लिखा, थिरु टी.आर. बालू ने DMK डीएमके फाइल्स के ज़रिए उनके और उनके परिवार की संपत्ति/कंपनियों की जानकारी प्रकाशित करने के लिए मेरे खिलाफ मानहानि का केस दायर किया था और हर्जाने के तौर पर 100 करोड़ रुपये की मांग की थी।

राज्य बीजेपी के पूर्व प्रमुख ने कहा कि सुनवाई के एक चरण के बाद, उन्होंने खुद केस लड़ा और व्यक्तिगत रूप से बालू से जिरह की। उन्होंने कहा कि कार्यवाही की जानकारी पहले से ही सार्वजनिक डोमेन में थी।अन्नामलाई ने आगे आरोप लगाया कि जिरह के दौरान, बालू ने अदालत में उनके खिलाफ बिना किसी आधार के अपमानजनक टिप्पणी की, जिसके कारण उन्हें उन बयानों को लेकर डीएतके सांसद के खिलाफ एक अलग केस दायर करना पड़ा।

महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी में टूट-फूट के बाद भी घमासान

एक ही विमान में नेताओं की यात्रा पर कई सवाल

- शिवसेना यूबीटी व भाजपा में वार-पलटवार
- ऑपरेशन टाइगर के जवाब में ऑपरेशन देवेंद्र का शोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी में टूट-फूट के बाद भी भाजपा व शिवसेना यूबीटी के बीच वार-पलटवार अब भी पूरे जोरशोर से जारी है। राज्य के हिंगोली में एक रैली को संबोधित करते हुए ठाकरे ने दावा किया कि बीजेपी का चर्चित ऑपरेशन टाइगर असल में ऑपरेशन देवेंद्र था। उन्होंने इसे विपक्ष के खिलाफ नहीं, बल्कि फडणवीस को भविष्य में प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर उभरने से रोकने के लिए बनाई गई एक चाल बताया। महाराष्ट में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच एक नई राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है।

दोनों नेताओं के बीच यह टकराव शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल होने के कुछ दिनों बाद हुआ है। हिंगोली में एक रैली को संबोधित करते हुए ठाकरे ने दावा किया कि बीजेपी का चर्चित ऑपरेशन टाइगर असल में ऑपरेशन देवेंद्र था। उन्होंने इसे विपक्ष के खिलाफ नहीं, बल्कि फडणवीस को भविष्य में प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर उभरने से रोकने के लिए बनाई गई एक चाल बताया। बिना चुनाव हुए ही सांसद दूसरी पार्टी में चले गए। उन्होंने इसके बजाय क्यों जॉइन नहीं की? मुझे शक है कि यह असल में ऑपरेशन देवेंद्र है। ठाकरे ने कहा कि अमित शाह ने शायद यह सब इसलिए किया ताकि फडणवीस एक खास स्तर पर ही बने रहें और प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल न हो सकें। अगर कल जरूरत पड़ी, तो ये बागी नेता प्रधानमंत्री पद के लिए अमित शाह को वोट देंगे। उद्धव ठाकरे ने आगे आरोप लगाया कि ऑपरेशन टाइगर का मकसद प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया से पहले लोकसभा में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को दो-तिहाई बहुमत दिलाने में मदद करना था।

शिवसेना में फूट का मुद्दा फिर चर्चा में

यह घटनाक्रम ठाकरे के लिए राजनीतिक रूप से एक संवेदनशील समय पर हुआ है। उनके गुट को पिछले हफ्ते बड़ा झटका लगा था, जब उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए, जिससे सत्ताधारी महायुति गठबंधन और मजबूत हो गया। इन सांसदों के पाला बदलने से शिवसेना (यूबीटी) के भविष्य पर फिर से सवाल उठने लगे हैं और ठाकरे तथा शिंदे गुटों के बीच राजनीतिक टकराव और तेज हो गया है।

मैं एक इंसान हूं, मेरे पंख नहीं हैं, तो उन्हें कौन काट सकता है : फडणवीस

पालघर में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने इस दावे को खारिज कर दिया और कहा कि उनका पूरा ध्यान विकास पर है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं एक इंसान हूं। मेरे पंख नहीं हैं, तो उन्हें कौन काट सकता है? मुझे महाराष्ट्र के 14 करोड़ लोगों और अपने वरिष्ठ नेताओं का आशीर्वाद प्राप्त है, इसलिए चिंता करने की कोई बात नहीं है। उनकी यह प्रतिक्रिया तब आई जब बीजेपी ने पार्टी छोड़ने वालों और ठाकरे के साथ उनके संबंधों को लेकर चल रही अटकलों को खारिज करने की कोशिश की।

साथ उड़ान भरने के बाद राजनीतिक में बढ़ी हलचल

यह घटनाक्रम तब हुआ है जब कुछ दिन पहले ही फड़णवीस और ठाकरे ने मुंबई से नागपुर के लिए एक ही कमर्शियल फ्लाइट में अचानक यात्रा की थी, जिससे शिवसेना में बगावत के बीच जबरदस्त राजनीतिक अटकलें शुरू हो गई थीं। इस फ्लाइट में आदित्य ठाकरे और

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत भी सवार थे। इस मुलाकात को ज्यादा तूल न देते हुए फडणवीस ने मजाक में कहा कि असली हेडलाइन साथ यात्रा करना नहीं थी। उन्होंने कहा कि हम तीनों - उद्धव ठाकरे, संजय राउत और मैं - फ्लाइट में साथ थे, यही सबसे बड़ी खबर है। बीजेपी ने भी जोर देकर कहा कि इस मुलाकात का कोई राजनीतिक महत्व नहीं था, इसे महज एक इत्तेफाक बताया और कहा कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी होने का मतलब यह नहीं है कि वे निजी दुश्मन भी हों।

बंगाल में थम नहीं रहा बवाल

बागी नेताओं पर एफआईआर करने पर ममता पर भड़के बीजपी राज्य अध्यक्ष

- भाजपा टीएमसी पर उठाए सवाल
- समिक बोले- टीएमसी कभी एक वास्तविक राजनीतिक दल नहीं रही, बल्कि अवसरवादी लोगों का ऐसा समूह थी
- बागी गुट ने बनाई नई कार्यसमिति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में सियासी बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां सत्तारुए भाजपा टीमएमसी हमलावार है वहीं टीएमसी को हाईकोर्ट से भी झटका लग रहा है।

बता दे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी अंदरूनी कलह और बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी के खिलाफ दर्ज केस को लेकर पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने ममता बनर्जी की पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि टीएमसी कभी एक वास्तविक राजनीतिक दल नहीं रही, बल्कि अवसरवादी लोगों का ऐसा समूह थी जो सत्ता के लिए साथ आया था। अब वही लोग एक-दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा रहे हैं और पार्टी के भीतर छिपे विवाद खुलकर सामने आ गए हैं। उधर कोलकाता हाईकोर्ट ने टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी के विदेश यात्रा पर रोक लगा दी है।

सत्ता बंटवारे का मॉडल पूरी तरह विफल हो गया : समिक भट्टाचार्य

समिक भट्टाचार्य ने कहा कि टीएमसी के भीतर सत्ता साझा करने की व्यवस्था अब पूरी तरह टूट चुकी है। उनके मुताबिक, पार्टी के नेता अब संगठन की बजाय खुद को बचाने में लगे हैं। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा घटनाक्रम से साफ है कि टीएमसी के अंदर लंबे समय से चल रहे मतभेद अब खुली लड़ाई में बदल चुके हैं।

पार्टी की समानांतर संरचना खड़ी करने की कोशिश

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बागी गुट खुद को अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के पदाधिकारी बताकर समानांतर संगठन चलाने की कोशिश कर रहा है। ममता समर्थक गुट का कहना है कि इससे पार्टी की छवि को नुकसान पहुंच रहा है और कार्यकर्ताओं के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। हाल ही में बागी गुट ने न्यू टाउन के एक होटल में विशेष बैठक आयोजित कर नई राष्ट्रीय कार्यसमिति की घोषणा की थी, जिसमें ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को शामिल नहीं किया गया। इसके बाद टॉपसिया में हुई एक और बैठक में कोलकाता नगर निगम के 47 पूर्व पार्षदों की मौजूदगी ने इस गुट की सक्रियता को और बढ़ा दिया।

ऋतब्रत बनर्जी और सहयोगियों के खिलाफ नई एफआईआर

इस बीच, ममता बनर्जी समर्थक गुट ने बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी और उनके सहयोगियों के खिलाफ नई पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। टीएमसी की संयुक्त राष्ट्रीय सचिव डोला सेन की ओर से दायर शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ऋतब्रत बनर्जी, पूर्व मंत्री अरूप रॉय, जावेद खान, संदीपन साहा और बिप्लब मित्रा बिना पार्टी की अनुमति के टीएमसी के नाम, चुनाव चिन्ह और संगठनात्मक पदों का इस्तेमाल कर कार्यकर्ताओं और समर्थकों को भ्रमित कर रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

देश के भविष्य को बचाने की राह बनानी होगी

> "अब नीति बनाने वालों को स्क्रीन टाइमिंग पर कुछ करना होगा ताकि देश भविष्य बचा रहे। आज, कई बच्चे भूल चुके हैं कि सूर्योदय असल में कैसा दिखता है। वे सुबह की उस शांत लहर और चिड़ियों के चहकने के सीधे गवाह ही नहीं बन पाते।

आजकल भारत ही नही पूरी दुनिया के मां-बाप अपने बच्चों के एक आदत से बहुत परेशान हैं। खासतौर नाबालिग बच्चों से। वो आदत है मोबाइल से घंटों से चिपके रहना। मोबाइल की वजह से बच्चे परिवार व समाज से कटते जा रहे हैं। आज के किशोरों ने वक्त के पहिये को ही उलट दिया है-रात को दिन और दिन को रात बना डाला है। माता-पिता होने के नाते, हम मूकदर्शक बनकर यह सब देखते हैं। शुरुआत में हम टोकते हैं। प्यार से समझाते हैं। फिर, हम इसके बुरे नतीजों से आगाह करने की कोशिश करते हैं। अपनी बातें बार-बार दोहराते हैं। कभी गुस्सा फूटता है, तो कभी हम मिन्नतें करने लगते हैं। लेकिन आज के बच्चों के पास पलटवार करने के लिए पहले से रिकॉर्डेड जवाबों का एक पूरा तरकश तैयार रहता है। अब नीति बनाने वालों को स्क्रीन टाइमिंग पर कुछ करना होगा ताकि देश का भविष्य बचा रहे। आज, कई बच्चे भूल चुके हैं कि सूर्योदय असल में कैसा दिखता है। वे सुबह की उस शांत लहर और चिड़ियों के चहकने के सीधे गवाह ही नहीं बन पाते।

इस बदलाव का दुख सिर्फ पुरानी यादों का रोना नहीं है; बल्कि यह उनके स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आने वाले कल को लेकर एक सच्ची और गहरी चिंता है। रात के एक या दो बजे का समय है। पूरे घर में अंधेरा पसरा है, सिवाय एक बेडरूम के दरवाजे के नीचे से छनकर आती मोबाइल की उस धुंधली नीली रोशनी के। आधी रात को माँ की आँख खुलती है। वह पानी पीने के लिए उठती है और सहज भाव से अपने बच्चे के कमरे में झांकती है। भाविक रूप से एक थका हुआ, चिंतित सवाल हवा में तैरता है। बस मम्मा, थोड़ा सा बाकी है। अगले पाँच-दस मिनट में पक्का सो रहा हूँ, उधर से रटा-रटाया जवाब आता है। वे दस मिनट कब दो घंटों में बदल जाते हैं, कोई नहीं जानता। आखिरकार नींद आ ही जाती है, पर कब? इसका सटीक हिसाब किसी के पास नहीं होता। आज देश-दुनिया के अधिकांश घरों में हर रात यही कहानी दोहराई जा रही है। मगर आज की पीढ़ी मानो अपने ही बायोलॉजी से युद्ध लड़ रही है। उन्हें शायद यह मुगालता हो गया है कि ढेर सारी तकनीक और डेटा के दम पर वे इंसानी शरीर के नियमों को मात दे सकते हैं और अपनी जैविक घड़ी (बायो-रिदम) को ठेंगा दिखा सकते हैं। समय बदलता है, तकनीक आगे बढ़ती है और जीवनशैली उसके अनुसार ढल जाती है। यहाँ तक तो सब ठीक है। लेकिन मानव शरीर की बुनियादी जरूरतें नहीं बदलतीं। मानवीय जिस्म को शारीरिक आराम की दरकार होती है। मन को गहरी, सुकून भरी नींद मिलनी चाहिए। आँखों को अंधेरे की और दिमाग को खुद को दोबारा तरोताजा व व्यवस्थित करने के लिए शांत समय की आवश्यकता होती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पंजाब में खिसकती सियासी जमीन के मायने

ज्योति मल्होत्रा

पंजाब की राजनीति में पिछला हफ्ता कुछ ज्यादा ही गर्म रहा। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन हाल ही में राज्य के दौरे पर थे ; उन्होंने अमृतसर, लुधियाना व जालंधर का दौरा किया ताकि 2027 के शुरू में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले चुनौतियों की थाह ले सकें। जैसे ही नबीन पंजाब से लौटे, एक पुराना वीडियो सामने आया जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान कथित तौर पर धार्मिक भावनाएं आहत करने वाला कृत्य करते दिख रहे हैं, जिसने हर ओर हलचल मचा दी। अकाल तख्त, जिसे व्यापक तौर पर आस्था के मामलों में सिखों द्वारा सर्वोच्च सत्ता माना जाता है, ने इस वीडियो को लेकर मान को दोषी ठहराया है; विपक्षी दलों ने भी ऐसा ही किया। मान ने अपने बचाव में भाजपा-शासित गुड़गांव की एक लैब से मिली 'क्लीन चिट' का हवाला दिया-परंतु, जल्द ही हरियाणा पुलिस ने क्लीन चिट की एवज में पैसे के लेन-देन के आरोप में उस लैब के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या मान इस संकट से उबर पाएंगे? क्या इससे 'आप' को बड़ा नुकसान होगा, वह पार्टी जिसने दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ जन-आंदोलन से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी या क्या पार्टी पिछले हफ्ते के झटके से उबरकर संकट को अवसर में बदल पाएगी? पिछले हफ्ते तक, ऐसा लग रहा था कि 'आप' आसानी से आगे बढ़ रही है और विपक्ष बिखरा पड़ा है, कोई दल गंभीर चुनौती पेश करने की स्थिति में नहीं। मुख्यमंत्री मान के बीच-बीच में शाम ढले होने वाले चुनावी दौरे शायद ही सतलुज नदी में तरंगें उठा पाए हैं (जिसमें अभी उफान नहीं आया था)। साथ ही, अरविंद केजरीवाल के मुफ्त सुविधाओं के चतुर वादों के साथ-जो लगता है भाजपा की सफल रही रणनीति की नकल है-जिसमें महिलाओं को पैसे देना (अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1,500 रु. प्रतिमाह तो अन्य को 1,000 रु.) और सफाई कर्मचारियों, स्कूल शिक्षकों व सरपंचों जैसे महत्वपूर्ण समूहों की शिकायतें दूर करने का वादा शामिल है, 'आप' एक ऐसा फॉर्मूला तैयार कर रही है जिसमें हर किसी के लिए कुछ न कुछ है।

पंजाब सांसें थामे इंतजार कर रहा है और सवाल है कि क्या वीडियो से छिड़ी राजनीतिक लड़ाई इस सप्ताह भी जारी रहेगी। पिछले हफ्ते तक, भाजपा को दौड़ में सिर्फ एक प्रतिभागी भर माना जा रहा था; लेकिन मची उथल-पुथल के बीच, वह महसूस कर रही कि शायद सियासी जमीन पर पांव जम सकता है।

महत्वाकांक्षा को सदैव लोगों को साथ जोड़ने वाली चीज माना जाता है, लेकिन सवाल है कि क्या यह काफी है? चुनाव में करीब छह माह बचे हैं, क्या भाजपा के पास विधानसभा की सभी सीटों पर लड़ने योग्य 117 उम्मीदवार हैं? गृह मंत्री अमित शाह और नितिन नबीन जैसे वरिष्ठ भाजपा नेताओं का तो मानना है कि हो जाएंगे। एक जमीनी रिपोर्ट कहती है कि अकेले अपने दम पर न तो शिरोमणि अकाली दल और न ही भाजपा की स्थिति मजबूत है; हां, गठबंधन होने पर, मुकाबला करने लायक हो सकते हैं। एक वरिष्ठ भाजपा नेता का हवाला दिया है, जिन्होंने नाम न बताने की शर्त पर कहा है कि 'राजनीति में कुछ भी संभव है'। इसीलिए गत सप्ताह, जब पंजाब में सियासी परिदृश्य बदल रहा है, सवाल है क्या भाजपा व शिरोमणि अकाली दल, जिनमें 2020 में मोदी सरकार के कृषि कानूनों को लेकर कटु अलगाव हुआ था, आखिर क्या फिर साथ आएंगे? निश्चित तौर पर, 'राजनीति में एक हफ्ता बहुत लंबा समय होता है', यह एक ऐसी आम बात है जिसे हर राजनेता मानता है- सिवाय राहुल गांधी के, जिनके पास शायद अन्य ज्यादा जरूरी काम हैं, जबकि बीते हफ्ते ही दिल्ली में पंजाब के नए प्रदेशाध्यक्ष को लेकर अहम बातचीत बमुश्किल पूरी हो पाई। याद रहे ,हाल ही में शहरी निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी के बाद कांग्रेस दूसरे नंबर पर थी, जिससे पता चलता है कि भले ही राज्य में पार्टी बंटी है- मुख्यमंत्री पद के कम से कम पांच दावेदार हैं- फिर भी कांग्रेस की विचारधारा के प्रति लोगों में थोड़ी-बहुत वफादारी अभी भी बची है। अकाली दल के लिए बड़ी चुनौती है- क्या पंजाब के लोग उसे 'बेअदबी' के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई न करने के लिए माफ कर पाएंगे?

यह घटना 2015 में बरगाड़ी कस्बे में हुई थी, जब पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के पन्ने फटे मिले थे-तब अकाली सरकार थी। निश्चित ही, पिछले हफ्ते विपक्ष भगवंत मान पर कथित वीडियो में वैसी ही गलती करने का आरोप लगा रहा है- जिसे मान और 'आप' जोरदार ढंग से नकार रहे हैं। इसीलिए आगामी दिन चुनाव प्रचार की चाल-ढाल तय करेंगे। क्या मुख्यमंत्री इस मुश्किल दौर से पार पा सकेंगे और अपनी बेगुनाही साबित कर पाएंगे? या क्या पंजाब 2027 में 'आप' के साथ वही करेगा जो उसने 2017 में अकाली दल के साथ किया था? 2027 की लड़ाई तो अभी शुरू ही हुई है।

अनूठे रिकॉर्डों से सजा करिश्माई खेल

हरजीत सिंह

अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी को अब तक के सर्वश्रेष्ठ ड्रिबलरों में से एक माना जाता है। अर्जेंटीनी कप्तान इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक के रूप में ख्याति अर्जित कर चुके है। वर्तमान फीफा विश्व कप में उन्होंने कीर्तिमानों की झड़ी लगा दी हैं। सवार्धिक छह फीफा विश्व कप में भाग लेकर सवार्धिक मैच (28), सर्वाधिक गोल (18) के साथ-साथ सब से बड़ी उम्र (38 वर्ष और 357 दिन) के हैट-ट्रिक मारने वाले खिलाड़ी बने। वर्ष 2026 विश्व कप अभी तक उन्हीं के नाम रहा है। दो मैचों में पांच गोल-अल्जीरिया के विरुद्ध तीन और ऑस्ट्रिया के विरुद्ध दो। ऑस्ट्रिया के विरुद्ध वह एक पेनल्टी गंवा बैठे थे। विश्व कप में 10 में तीन पेनल्टी गंवाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम हो गया है। अपने छोटे कद के कारण, मेसी के पास लंबे खिलाड़ियों की तुलना में गुरुत्वाकर्षण का एक कम केंद्र है, जो उसे अधिक चपलता देता है, जिससे वह अधिक तेजी से दिशा बदल सकता है और विरोधी टैकल से बच सकता है।

मेसी मुख्य रूप से बाएं पैर के खिलाड़ी हैं; अपने बाएं पैर के बाहरी हिस्से के साथ, वह आमतौर पर ड्रिब्लिंग रन शुरू करते हैं, जबकि वह अपने पैर के अंदर का उपयोग पास और सहायता प्रदान करने के लिए करते है। एक शानदार गोल करने वाले, मेसी को उनकी फिनिशिंग, पोजिशनिंग, त्वरित प्रतिक्रियाओं और रक्षात्मक लाइन को हराने के लिए आक्रामक रन बनाने की क्षमता के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, वह एक सटीक फ्री किक और पेनल्टी किक लेने वाला खिलाड़ी है। लियोनेल मेसी पेशेवर फुटबॉल के इतिहास में सबसे सजाए गए खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 45 टीम ट्रॉफियां जीती हैं। मेसी के रिकॉर्ड में, एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक गोल (91), एक क्लब के लिए सबसे अधिक गोल (बार्सिलोना के लिए 672), ला लीगा में सबसे अधिक गोल (474), फीफा विश्व कप में सबसे अधिक गोल योगदान (26, 18 गोल + 8 सहायक गोल), और कोपा अमेरिका (32) में सबसे अधिक गोल योगदान शामिल हैं।

वर्ष 2022 में अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम को अपना तीसरा फीफा विश्व कप जीतने में मदद की। आठ बार के बैलन डी ओर (फुटबॉल की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तिगत पुरस्कार) विजेता, छह यूरोपीय गोल्डन शूज और आठ बार फीफा द्वारा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का नाम कमाने वाले 39 वर्षीय मेसी सर्वोत्तम खिलाड़ियों की सूची में सब से ऊपर हैं। पांच साल की उम्र में मेसी ने अपने पिता जॉर्ज द्वारा प्रशिक्षित किए जा रहे एक स्थानीय क्लब ग्रैंडोली के लिए फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया। 1995 में, मेसी अपने गृह शहर रोसारियो में स्थित न्यूवेल ओल्ड बॉय्स के लिए खेलने लगे। 11 वर्ष की उम्र में, उसके नैदानिक परीक्षण में विकास हार्मोन की कमी पाई गई, जिसने उसके विकास को अवरुद्ध कर दिया था तो मेसी का परिवार स्पेन में एक नया घर बनाने के लिए अटलांटिक के पार चला गया। मेसी का छोटा कद-5 फीट, 7 इंच-उनकी गति और अथक आक्रमण शैली के साथ मिलकर, उनकी तुलना अर्जेंटीना के एक अन्य प्रसिद्ध फुटबॉलर, डिएगो माराडोना से की गई। अर्जेंटीना-स्पेनिश नागरिक के रूप में, मेसी दोनों देशों की राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के योग्य थे।

उन्होंने 2004 में अर्जेंटीना के लिए पैराग्वे के खिलाफ अंडर 20 टीम के लिए शुरुआत की, बाद में 2005 दक्षिण अमेरिकी अंडर-20 चैम्पियनशिप के लिए टीम में शामिल किया गया, जहां वे तीसरे स्थान पर रहे। उसके बाद मेसी ने 2005 फीफा विश्व युवा चैम्पियनशिप में टीम को जीत दिलाई, जो अर्जेंटीना के साथ उनकी पहली सफलता थी। छह गोल और दो सहायक गोल के साथ टूर्नामेंट समाप्त करते हुए, वह गोल्डन बॉल भी जीते। विश्व कप 2006 टूर्नामेंट के लिए अर्जेंटीना टीम में मेसी चुने गए। उन्होंने विश्व कप में बेंच से आइवरी कोस्ट के खिलाफ अर्जेंटीना के शुरुआती मैच विजय को देखा। सर्बिया के खिलाफ अगले मैच में मेसी, विश्व कप में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने, जब वे 74वें मिनट में मैक्सी रॉड्रिग्वेज के स्थानापन्न के रूप में खेलने आए। उन्होंने खेल में प्रवेश करने के चंद मिनटों में ही हरनैन क्रेस्पो को गोल बनाने में असिस्ट किया और 6-0 की जीत में अंतिम गोल भी स्कोर किया, जिससे वे टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र के स्कोरर और विश्व कप के इतिहास में सबसे कम उम्र के छठे गोल स्कोरर बने। जुआन रोमन रिकेल्मे के अंतरराष्ट्रीय संन्यास के साथ, मेसी को अर्जेंटीना की नंबर 10 शर्ट दी गई। ग्रीस के खिलाफ 2010 फीफा विश्व कप ग्रुप स्टेज मैच के दौरान, मेसी ने पहली बार कप्तान का आर्मबैंड पहना।

अर्जेंटीना अंततः जर्मनी के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गया था, लेकिन मेसी को उनकी गति और रचनात्मकता के कारण टूर्नामेंट के 10 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक के रूप में पहचाना गया था, एक भी गोल दर्ज करने में विफल रहने और केवल एक सहायता करने के बावजूद। अगले कई वर्षों में अर्जेंटीना को अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी जीतने में असमर्थता के कारण मेसी के लिए कई निराशा देखी गई। वर्ष 2014 फीफा विश्व कप के दौरान, अर्जेंटीना फाइनल में जर्मनी से हार गया हालांकि मेसी को चार गोल और एक सहायता गोल के साथ उनके समग्र प्रदर्शन के कारण टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में गोल्डन बॉल से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2022 फीफा विश्व कप में मेसी ने अर्जेंटीना को 36 वर्षों में अपनी पहली विश्व कप जीत दिलाई। फाइनल में दो बार गोल करके फ्रांस को हराया। टूर्नामेंट के दौरान सात गोल करने और तीन गोल में सहायता देने के बाद, मेसी ने एक बार फिर गोल्डन बॉल पुरस्कार जीता और इसे दो बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। वर्ष 2023 में, टाइम पत्रिका ने मेस्सी को अपना एथलीट ऑफ द ईयर नामित किया।

पश्चिम बंगाल की ये जगहें देंगी ठंडक और सुकून

अगर आप गर्मी में ऐसी जगह घूमने का प्लान बना रहे हैं, जहां प्राकृतिक सुंदरता, ठंडा मौसम और सांस्कृतिक विविधता सब एक ही जगह मिल जाए, तो पश्चिम बंगाल आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प है। यह राज्य अपनी हरियाली, पहाड़ों, समुद्र तटों और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए जाना जाता है। गर्मियों में जब देश के कई हिस्सों में तापमान काफी बढ़ जाता है, तब पश्चिम बंगाल के कुछ पर्यटन स्थल आपको राहत और सुकून देने का काम करते हैं। यहां आपको ठंडी पहाड़ी वादियां, शांत समुद्र किनारे और घने जंगल सब मिलते हैं। चाहे आप फैमिली ट्रिप प्लान कर रहे हों, दोस्तों के साथ एडवेंचर या फिर सोलो ट्रैवल, पश्चिम बंगाल हर तरह के पर्यटकों लिए खास है। पश्चिम बंगाल ये 5 ऐसे शानदार पर्यटन स्थल हैं जहां आप गर्मियों में घूमकर ठंडक और यादगार अनुभव पा सकते हैं।

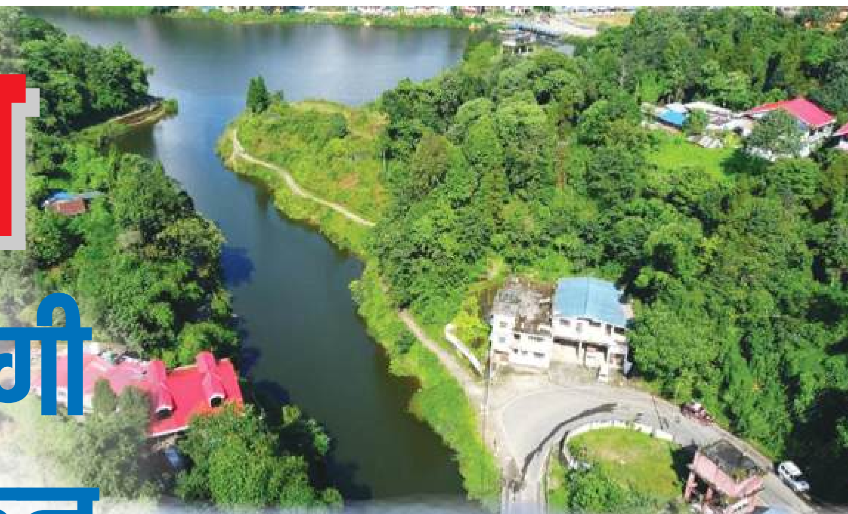

कालिम्पोंग

पश्चिम बंगाल में सुकून और शांति का ठिकाना कालिम्पोंग को माना जाता है। अगर आप भीड़-भाड़ से दूर रहना चाहते हैं, तो कालिम्पोंग आपके लिए परफेक्ट है। यहां का शांत माहौल और खूबसूरत व्यू आपको रिलैक्स कर देंगे।

मिरिक

इसे बंगाल का छिपा हुआ स्वर्ग कहा जा सकता है। मिरिक एक कम भीड़-भाड़ वाला हिल स्टेशन है, जो अपनी झील और हरियाली के लिए जाना जाता है। यहां का शांत वातावरण आपको पूरी तरह तरोताजा कर देगा।

सुंदरबन

रोमांच से भरपूर अनुभव के लिए सुंदरबन जा सकते हैं। सुंदरबन दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव जंगल है और यहां आप रॉयल बंगाल टाइगर देखने का रोमांचक अनुभव ले सकते हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं।

दीघा

दीघा एक खूबसूरत बीच डेस्टिनेशन है, जहां आप लहरों के बीच सुकून पाने के लिए जा सकते हैं। गर्मियों में यहां की ठंडी हवा काफी सुकून देती है।

दार्जिलिंग

दार्जिलिंग को पहाड़ों की रानी कहा जाता है। दार्जिलिंग अपनी ठंडी हवाओं, चाय बागानों और कंचनजंगा के खूबसूरत नजारों के लिए मशहूर है। गर्मियों में यहां का मौसम बेहद सुहावना रहता है, जो इसे सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन बनाता है।

हंसना मना है

यह जो हसीनाओं के बाल होते हैं, लड़कों को फंसाने के जाल होते है, पी जाती हैं सारा खून लड़कों का, तभी तो गाल इतने लाल होते हैं..

लड़की - दुआ करो मैं फेल हो जाऊं। फ्रेंड - क्यों? लड़की - अब्बु ने कहा है कि 1st आयी तो लैपटॉप। 2nd आयी तो मोबाइल और फेल हो गयी तो शादी करवा दूंगा!

भिखारी- साहब एक रुपया दे दो। साहब- तुम्हें शरम नहीं आती, रोड पर खड़े होकर भीख मांगते हो, भिखारी- अब तुझसे एक रूपये मांगने के लिए ऑफिस खोलूं क्या?

साइकिल चलाकर पैर दुखे तो बाईक ली, बाईक चलाकर पीठ दुखी तो कार लाये, कार चलाकर पेट निकला तो जिम ज्वाइन किया और जिम में वापस साइकिल, इसे कहते है रिसायक्लिंग।

पत्नी - आप मुझे रानी क्यों बोलते हो? पति - क्योंकि नौकरानी थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है.. पत्नी गुस्से से- तुम्हें पता है कि मैं तुम्हें जान क्यों बोलती हूं? पति- नहीं.. पत्नी- जानवर थोडा लम्बा शब्द हो जाता है इसलिए सिर्फ जान बोल देती हूं।

मैंने सुना है आप बहुत कमजोर हो गए हो, फिट रहने के लिए रोज 1 चम्मच खाया करो अंबुजा सिमेंट, क्योंकि इस सिमेंट में जान है!

कहानी | परोपकार करने से फर्क तो पड़ता है

दौड़ते-भागते शर्मा जी जैसे ही ऑफिस पहुंचे डायरेक्टर के मुंह लगे चपरासी ने उन्हें बताया - सर ने आपको आते ही मिलने के लिए कहा है। डरते-डरते जैसे ही वे कैबिन में घुसे, डायरेक्टर साहब एकदम से बरस पड़े - शर्मा जी, इससे पहले कि आप एक नई कहानी सुनाएं, मैं अपको स्पष्ट कह देता हूं कि आप आज आराम करिए। छुट्टी का एप्लीकेशन दीजिए और जितनी समाजसेवा करनी है, कीजिए। तंग आ चुका हूं मैं आपकी परोपकार कथा सुन-सुनकर। क्या फर्क पड़ता है आपकी समाजसेवा से? यदि नौकरी करनी है तो ढंग से कीजिए। शर्मा जी डायरेक्टर साहब के आदेशानुसार उस दिन की छुट्टी का एप्लीकेशन देकर ऑफिस से बाहर आकर सोचने लगे - अभी से घर जाकर क्या कर लूंगा। क्यों न हॉस्पीटल जाकर उस बच्चे की हाल-चाल पता कर लूं, जिसे किसी दुर्घटना के कारण सड़क पर पड़े हालत में देखकर अस्पताल पहुंचाने के चक्कर में ऑफिस देर से पहुंचा और साहब की डांट खाई। शायद अब तक उसे होश भी आ गया हो। अनायस ही उनके कदम अस्पताल की ओर चल पडे। जैसे ही वे अस्पताल पहुंचे, डॉक्टर ने उन्हें बताया कि बच्चे को होश आ गया है और उसके मम्मी-पापा भी आ चुके हैं। आइए, आपको मिलवाता हूं उनसे, इनसे मिलिए, ये हैं शर्मा जी, जिन्होंने आज सुबह आपके बच्चे को यहां एडमिट कराया है। यदि समय पर ये बच्चे को यहां नहीं लाते और अपना ब्लड नहीं दिये होते, तो कुछ भी हो सकता था। सर आप? ये आपका बेटा? सामने डायरेक्टर साहब थे, हाथ जोड़कर खड़े। काटो तो खून नहीं। बोले- शर्मा जी, हो सके तो मुझे माफ कर दीजिएगा। मैंने आपको बहुत गलत समझा पर अब मैं जान चुका हूं कि फर्क तो बहुत पड़ता है आपकी समाजसेवा से। और कहने लगे कि परोपकार के लिए ही वृक्ष फल देते हैं, नदीयां परोपकार के लिए ही बहती हैं और गाय परोपकार के लिए ही दूध देती हैं अर्थात् यह शरीर भी परोपकार के लिए ही है!

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष - कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। समय अनुकूल है।

वृषभ - बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन - कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

कर्क - व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है।

सिंह - किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

कन्या - धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा।

तुला - धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

वृश्चिक - किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु - कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी।

मकर - प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

कुम्भ - दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन - व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

सितंबर में शुरू होगी रणवीर सिंह की आगामी फिल्म प्रलय की शूटिंग

धुरंधर की सफलता के बाद फैंस रणवीर सिंह की अगली बड़ी फिल्म प्रलय के बारे में अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्ममेकर जय मेहता की जॉम्बी सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म है। अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू हो सकती है। साथ ही फिल्म का एक बड़ा हिस्सा ऑस्ट्रेलिया में शूट किया जाएगा।

पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रलय की शूटिंग सितंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर ने इस प्रोजेक्ट के लिए तैयारी शुरू कर दी है। एक सोर्स ने पिंकविला को बताया, 'रणवीर 2026 के दूसरे हाफ में जय मेहता के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में होगी और उन्होंने तैयारी शुरू भी कर दी है। फिल्म के बड़े पैमाने और जॉनर को देखते हुए इसके लिए जबरदस्त फिजिकल और इमोशनल तैयारी की जरूरत है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन अभी ऑस्ट्रेलिया में चल रहा है, जहां जय मेहता और उनकी टीम उन टेक्नीशियन्स के साथ मिलकर काम कर रही है जो पहले इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स प्रोडक्शन शुरू होने से पहले फिल्म की विशाल पोस्ट-एपोकैलिप्टिक दुनिया बनाने पर ध्यान दे रहे हैं।

फिल्म में वीएफएक्स का होगा जबरदस्त इस्तेमाल

रिपोर्ट के अनुसार, प्रलय काफी हद तक विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर करेगी और राइटिंग टीम स्क्रीनप्ले और फिल्म की बड़ी जॉम्बी दुनिया को बेहतर बनाने का काम जारी रखेगी। कहा जा रहा है कि रणवीर भी डेवलपमेंट प्रोसेस के दौरान क्रिएटिव चर्चाओं में एक्टिव रूप से शामिल हैं।

खबरों के मुताबिक, लगभग 300 करोड़ रुपए के बजट में बनने वाली प्रलय रणवीर सिंह के करियर की सबसे महंगी स्टैंडअलोन फिल्म हो सकती है। हालांकि मेकर्स ने अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया है, लेकिन रिपोर्ट्स बताती हैं कि कल्याणी प्रियदर्शन को फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है, जो बॉलीवुड में उनका डेब्यू होगा।

कंगना ने पूरी की क्वीन 2 की शूटिंग, टीम के साथ मनाया जश्न

कंगना रनौत अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म भारत भाग्य विधाता को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर सकी। इस बीच उनकी अपकमिंग फिल्म क्वीन 2 को लेकर नई अपडेट आई है। खबर है कि कंगना ने अपनी मशहूर फिल्म क्वीन के बहुप्रतीक्षित सीक्वल क्वीन 2 की शूटिंग पूरी कर ली है।

एक्टर-फिल्ममेकर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर यह जानकारी दी। उन्होंने कास्ट और क्रू के साथ शूटिंग खत्म होने का जश्न मनाते हुए एक फोटो शेयर की। फोटो में रनौत को फिल्म की टीम के साथ देखा गया। शूटिंग पूरी होने के साथ ही, यह प्रोजेक्ट अब पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है।

मेकर्स ने अभी तक इस फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट का एलान नहीं किया है। क्वीन 2 में कंगना रनौत के मशहूर किरदार रानी की वापसी हो रही है। दर्शकों ने फिल्म क्वीन को काफी प्यार दिया था। 2014 में रिलीज हुई ओरिजिनल क्वीन का निर्देशन विकास बहल ने किया था और इसे समीक्षकों से खूब तारीफ मिली थी।

फिल्म में कंगना रनौत ने रानी मेहरा का किरदार निभाया था। रानी दिल्ली की एक ऐसी लड़की थी, जिसे हमेशा घर की चारदीवारी में रखा गया था। जब उसका मंगेतर (राजकुमार राव) शादी तोड़ देता है, तो वह अकेले ही हनीमून पर निकल पड़ती है। यूरोप की अपनी यात्रा के दौरान, रानी का आत्मविश्वास बढ़ता है, वह आजादी को अपनाती है और खुद को नए सिरे से खोजती है।

इसे अनुराग कश्यप, विक्रमादित्य मोटवाने और मधु मंटेना ने प्रोड्यूस किया था।

बॉलीवुड | मन की बात

शबाना आजमी के परिवार का मुझ पर है एहसान : अन्नू

अन्नू कपूर ने हिंदी सिनेमा में 44 साल पूरे कर लिए हैं। इस सफर में कई लोगों ने उनका शुरुआती दौर में साथ दिया, उनको वह भूल नहीं पाते हैं। हालिया एक इंटरव्यू में अपने करियर को लेकर बातचीत करते हुए अन्नू कपूर ने अपने बड़े भाई रंजीत कपूर, फिल्ममेकर प्रकाश झा और आजमी परिवार को धन्यवाद दिया, उनके बारे में कई बातें साझा की हैं।

एएनआई से बातचीत करते हुए अन्नू कपूर ने कहा, 'सबसे पहले जो लोग मुझे यहां लाए, उनके बारे में बात करूंगा। बड़े भाई रंजीत कपूर का दिल्ली से मुझे मैसेज मिला। वह मैसेज मुझे प्रकाश झा ने दिया था। जब मैंने उन्हें फोन किया, तो उन्होंने कहा, जाओ, रंजीत ने तुम्हें बुलाया है।' अन्नू कपूर ने आगे कहा, 'मेरे बड़े भाई रंजीत कपूर मैं उन्हीं की वजह से यहां आया। निश्चित रूप से, वह एक पुल बने। उन्होंने यहां एक नाटक किया, जिसमें दिग्गज और अब दिवंगत ओम पुरी और मैंने काम किया था। इसका नाम था एन एनिमी ऑफ द पीपल, जिसे हेनरिक इब्सन ने लिखा था। मैं उनका बहुत आभारी हूं और फिर आजमी परिवार का शुक्रगुजार हूं।' अन्नू कपूर ने दिवंगत शौकत कैफी को श्रद्धांजलि दी। उनके शुरुआती दिनों में उनसे मिले प्यार और हौसला-अफजाई को याद किया। वह कहते हैं, 'सबसे पहले मैं स्वर्गीय शौकत कैफी का जिक्र करना चाहूंगा, जिन्होंने मुझे बहुत प्यार और आशीर्वाद दिया। उन्होंने मुझे हमेशा सहारा भी दिया। मैं उन्हें अम्मी कहकर बुलाता था। वह शबाना आजमी की मां हैं। आज वह इस दुनिया में नहीं हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। मैं शबाना आजमी, उनके पिता और उनके भाई का आभारी हूं।' करियर फ्रंट की बात करें तो अन्नू कपूर कॉमेडी फिल्म उत्तर दा पुत्तर में नजर आएंगे। मेकर्स ने इस फिल्म का पोस्टर जारी किया है।

भारत का अनोखा स्कूल, जहां आज भी पेड़ों के नीचे लगती है बच्चों की क्लास, मजे में होती है पढ़ाई

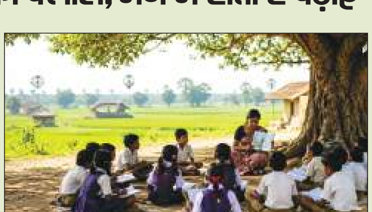

देश में शिक्षा लगातार आधुनिक होती जा रही है। स्मार्ट क्लास, डिजिटल बोर्ड और ऑनलाइन पढ़ाई का दौर तेजी से आगे बढ़ रहा है। लेकिन भारत के कुछ दूरदराज गांव आज भी ऐसे हैं, जहां बच्चों की पढ़ाई पेड़ों की छांव में होती है। सीमित संसाधनों के बावजूद यहां के बच्चे शिक्षा पाने का सपना संजोए हर दिन खुले आसमान के नीचे अपनी कक्षाओं में पहुंचते हैं। इन गांवों में कई बार पक्के स्कूल भवनों की कमी, प्राकृतिक परिस्थितियां या सीमित सुविधाएं बच्चों और शिक्षकों को खुले स्थान पर पढ़ाई करने के लिए मजबूर कर देती हैं। पेड़ों की ठंडी छांव ही उनकी कक्षा बन जाती है, जहां ब्लैकबोर्ड, चॉक और कुछ बेंच या चटाइयों के सहारे पढ़ाई का सिलसिला चलता रहता है। शिक्षकों का कहना है कि सुविधाएं सीमित जरूर हैं, लेकिन बच्चों में सीखने की ललक बिल्कुल कम नहीं है। कई छात्र रोज लंबी दूरी तय करके स्कूल पहुंचते हैं और पूरे उत्साह के साथ पढ़ाई में हिस्सा लेते हैं। गर्मी हो या सर्दी, उनका लक्ष्य केवल शिक्षा हासिल करना होता है। गांव के अभिभावक भी शिक्षा के महत्व को समझते हैं। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे बेहतर भविष्य बनाएं और जीवन में आगे बढ़ें। यही कारण है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद वे बच्चों को नियमित रूप से पढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। कई परिवार आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं। बिहार के दरभंगा जिले का हनुमान नगर प्रखंड और तेलियाडीह गांव, मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले का पाड़छा गांव और उत्तराखंड के देहरादून का कटा पत्थर गांव इसके प्रमुख उदाहरण हैं। पेड़ों के नीचे चलने वाली इन कक्षाओं का एक सकारात्मक पहलू भी है। प्राकृतिक वातावरण में पढ़ाई करने से बच्चों का प्रकृति से जुड़ाव बढ़ता है। खुली हवा और हरियाली के बीच सीखने का अनुभव कई बार तनाव को कम करता है और विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी विकसित करता है। हालांकि, बरसात, तेज धूप और अन्य मौसम संबंधी चुनौतियां पढ़ाई को प्रभावित करती हैं। ऐसे समय में शिक्षकों और विद्यार्थियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह गांव हमें यह संदेश देता है कि शिक्षा केवल आधुनिक भवनों की मोहताज नहीं होती। यदि सीखने की इच्छा मजबूत हो और शिक्षक समर्पित हों, तो पेड़ों की छांव भी एक बेहतरीन पाठशाला बन सकती है।

अजब-गजब | ये है भारत का अनोखा गांव

यहां बिना बिजली के भी सुकून से रहते हैं लोग

आज जब दुनिया आधुनिक तकनीक और बिजली पर पूरी तरह निर्भर हो चुकी है, तब भी भारत में कुछ ऐसे गांव मौजूद हैं जहां लोग बिना बिजली के भी संतुष्ट और खुशहाल जीवन जी रहे हैं। इन गांवों के लोगों ने यह साबित कर दिया है कि खुशहाल जिंदगी केवल आधुनिक सुविधाओं पर नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, प्रकृति से जुड़ाव और आत्मनिर्भरता पर भी निर्भर करती है।

इन गांवों में रहने वाले परिवार अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पारंपरिक तरीकों से पूरा करते हैं। सुबह की शुरुआत सूरज की पहली किरण के साथ होती है और दिनभर खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प साथ ही बाकी स्थानीय कार्यों में लोग व्यस्त रहते हैं। शाम ढलते ही गांव का माहौल शांत हो जाता है। कई जगहों पर लोग सौर लालटेन, मिट्टी के दीये या सीमित सोलर ऊर्जा का उपयोग करके आवश्यक काम पूरे कर लेते हैं।

इन गांवों की सबसे बड़ी खासियत यहां का मजबूत सामाजिक ताना-बाना है। लोग एक-दूसरे की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। किसी के घर शादी हो, खेती का काम हो या कोई अन्य सामाजिक आयोजन, पूरा गांव मिलकर जिम्मेदारी निभाता है। यही सामूहिक भावना लोगों के जीवन को आसान और खुशहाल बनाती है। प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग भी इन गांवों की पहचान है। यहां वर्षा जल संरक्षण, जैविक खेती और पारंपरिक खेती के तरीकों को आज भी महत्व दिया जाता है। कई परिवार अपने घरों के आसपास सब्जियां और फल उगाकर आत्मनिर्भर बनने की कोशिश करते हैं।

हालांकि, बिजली की कमी के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी कई सुविधाओं में चुनौतियां भी सामने आती हैं। बच्चों की पढ़ाई, मोबाइल नेटवर्क, ऑनलाइन सेवाएं और चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच कई बार प्रभावित होती है। ऐसे में सरकार और विभिन्न सामाजिक संस्थाएं सौर ऊर्जा आधारित समाधान और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन गांवों की जीवनशैली आधुनिक समाज के लिए भी प्रेरणा बन सकती है। सीमित संसाधनों में संतोष, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहयोग जैसी बातें आज के समय में बेहद महत्वपूर्ण हैं। हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि बुनियादी सुविधाओं का अभाव आदर्श स्थिति है, बल्कि यह दर्शाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी लोग सकारात्मक सोच और सामूहिक प्रयास से बेहतर जीवन जी सकते हैं।

भारत के ऐसे गांव हमें यह संदेश देते हैं कि विकास का अर्थ केवल बिजली, सड़क और इंटरनेट तक सीमित नहीं है। असली विकास तब माना जाएगा जब आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ प्रकृति का संतुलन, सामाजिक एकता और लोगों की खुशहाली भी बनी रहे। यही कारण है कि बिना नियमित बिजली के भी ये गांव अपनी सादगी, आत्मनिर्भरता और सामुदायिक जीवन के कारण देशभर में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद : संघ–भाजपा पर प्रहार जारी

कांग्रेस, सपा व आप के बाद बीजेपी के कुछ नेता भी नाराज

» गहलोत बोले- बीजेपी और आरएसएस को ले डूबेगा चंदा चोरी का मामला

» उद्घाटन से पहले ही गड़बड़ी शुरू कर दी गई थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राम मंदिर चढ़ावा विवाद में भाजपा पर चारों ओर से हमला अब भी जारी है। सपा,आप से लेकर कांग्रेस तक हमलावर हैं। यही भाजपा के कुछ नेता भी इससे नाराज हैं। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत के मुताबिक, चंदा चोरी की घटना को लेकर लोगों में जबरदस्त आक्रोश है। हर किसी की आस्था भगवान राम में है। इस वजह से हर राम भक्त गुस्से में है। अयोध्या के राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इस मामले पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि चंदा चोरी का मामला बीजेपी और संघ को ले डूबेगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

पहले मंदिर का चंदा चोरी किया गया और अब चोरी के बाद सीनाजोरी की जा रही है, मीडिया के सवालों के जवाब देते हुए उन्होंने ये बयान दिया है। उन्होंने कहा,

जो कल क्रेडिट ले रहे थे वो आज चुप हैं

अशोक गहलोत के मुताबिक, चंदा चोरी की घटना को लेकर लोगों में जबरदस्त आक्रोश है। हर किसी की आस्था भगवान राम में है। इस वजह से हर राम भक्त गुस्से में है। राम मंदिर पर राजनीतिक रोटियां सेकते हुए जो लोग पूरा क्रेडिट ले रहे थे, आज वो चुप्पी साधे हुए हैं. सियासत की वजह से ही तमाम धर्मगुरु लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए थे, अशोक गहलोत ने दावा किया कि अयोध्या में भगवान राम का मंदिर हमारी वजह से बना है।

अयोध्या के राम मंदिर का निर्माण राजस्थान के पत्थर से हुआ था। चंपत राय जिन पर आज आरोप लगे हैं, वो तब भी गैर कानूनी तरीके राजस्थान से पत्थर लेकर जा रहे थे, वो मुझसे मिलने आए थे, तब मैंने उन्हें कहा था कि आप गैर कानूनी पत्थर से मंदिर निर्माण क्यों करोगे। मंदिर निर्माण में पवित्र पत्थर का इस्तेमाल होना चाहिए. मैंने चंपत राय को बुलाकर समझाया, सारी प्रक्रिया का पालन कराया और सभी जरूरी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए वैध तरीके से पत्थरों को राजस्थान से अयोध्या भिजवाया था। गहलोत ने आगे कहा कि उन्होंने हमें आज तक क्रेडिट नहीं दिया, हमें उम्मीद थी कि मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम में हमें और हमारी कैबिनेट के मंत्रियों को भी बुलाया जाएगा क्योंकि पत्थर हमने ही वैध तरीके से भेजे जाने का रास्ता साफ किया था। पवित्र मंदिर का निर्माण हमारे पत्थरों से किया गया, लेकिन हमें वहां नहीं बुलाया गया, मंदिर का निर्माण पवित्र काम होता है और उसमें चंदा चोरी की घटना निंदनीय है, उद्घाटन से पहले ही गड़बड़ी शुरू कर दी गई थी।

राजस्थान के पत्थरों से बना है राम मंदिर

ट्रस्ट कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी से हो सकती है पूछताछ

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच में नया अपडेट यह है कि जांच एजेंसियां जल्द ही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी का बयान दर्ज कर सकती हैं। जांच/पूछताछ का फोकस इस बात पर रहेगा कि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष के रूप में दानराशि के प्रबंधन, वित्तीय निगरानी और जवाबदेही के संबंध में उनकी क्या भूमिका रही और उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किस प्रकार किया।

जिसने राम मंदिर से चोरी की उसे कैंसर हो जाएगा : अनिल कुमार

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच भाजपा के पुरवा विधायक अनिल कुमार सिंह ने बड़ा बयान दिया है। भाजपा विधायक ने चंदे और चढ़ावे में गबन करने वालों को खरी-खरी सुनाई और कहा कि जिसने भी मंदिर से चोरी की होगी, उसे एक साल के अंदर ही सीधा कैंसर हो जाएगा। खुद भगवान की तरफ से उसे मौत की सजा सुनाई जाएगी। अनिल सिंह ने यह भी कहा, चोरों को हम नहीं रोक सकते, घर से जेवर चुराकर ले जाने वाले भी हमारे परिवार के ही लोग होते हैं। वहीं, विधायक ने यह भी कहा कि चोरी का दोषी पाए जाने पर बीजेपी की सरकार ऐसा दंड देगी कि उनकी पुश्तें याद रखेंगी। मंदिर में चोरी करने का अंजाम उन्हें भुगतना पड़ेगा। ऐसा अंजाम होगा कि इतिहास में उनके बच्चे और परिवार के लोग भी याद करेंगे। प्रभु राम तो ऐसा दंड देंगे कि कुढ़-कुढ़ के मरोग। इसी के साथ, बीजेपी विधायक अनिल सिंह ने अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा और कहा, सपा के लोग चुट्टे चोर हैं. जमीन हड़प लेना, राशन बेच देना, गरीबों का हक छीन लेना, गरीबों का अनाज छीन लेना, यही सब काम करते हैं. अखिलेश यादव के घर में सीबीआई जांच चल रही है। मुलायम सिंह पर सीबीआई जांच चल रही है.उन्होंने आगे कहा,आज राम का नाम लेने के लिए अखिलेश यादव भी मजबूर हो गए हैं, बिना राम नाम के उनका काम नहीं चल रहा है।

टीएमसी को एक और झटका, खातों पर रोक से 440 करोड़ पर संकट

» कलकता हाई कोर्ट ने जल्द सुनवाई से किया इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की उस याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें पार्टी के बैंक अकाउंट्स को फ्रीज़ करने का मामला उठाया गया था। बागी विधायकों की शिकायतों के बाद अधिकारियों ने टीएमसी के तीन बैंक अकाउंट्स पर डेबिट फ्रीज़ लगा दिया था। ये विधायक फंड के सोर्स की जांच की मांग कर रहे थे। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट की याचिका पर सुनवाई को प्राथमिकता देने से इनकार करते हुए जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि मामले की सुनवाई लिस्टिंग के क्रम के अनुसार ही होगी। हालांकि, कोर्ट ने तुरंत सुनवाई की अपील ठुकरा दी।

तृणमूल कांग्रेस के तीन बैंक खातों से पैसे निकालने (डेबिट) की सुविधा रोक दी गई है, इन खातों में लगभग 440 करोड़ रुपये जमा हैं। यह रोक बागी नेता रितिब्रता बनर्जी के साथ जुड़े कुछ विधायकों की शिकायतों के बाद लगाई गई है। उन्होंने बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के तहत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराकर एफआईआर दर्ज करने और खातों की विस्तृत जांच की मांग की थी। अपनी शिकायतों में विधायकों ने खातों में जमा फंड के स्रोत पर सवाल उठाए और लेन-देन की जांच की मांग की। विधायकों ने जांचकर्ताओं से यह पता लगाने का आग्रह किया कि क्या फंड वैध स्रोतों से आए थे या कथित अवैध गतिविधियों से-जिनमें संदिग्ध कट-मनी वसूली, सार्वजनिक फंड का गलत इस्तेमाल और घोटालों से मिली रकम शामिल है।

पार्टी के भीतर आत्म-मंथन करने की जरूरत

» शिवसेना यूबीटी में भगदड़ पर रास सांसद संजय राउत की सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना में वफादारों के बीच असंतोष के संकेत तब मिले, जब पार्टी सांसद संजय राउत ने कहा कि पार्टी में कुछ लोगों को ज़रूरत से ज़्यादा दिया गया। उनके ये बयान यूबीटी सेना छोड़ने और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली विरोधी सेना में शामिल होने वाले छह सांसदों के कुछ दिनों बाद आए हैं। राउत ने कहा कि हमें व्यक्ति के चरित्र को पहचानने की ज़रूरत है। उन्होंने पार्टी के भीतर आत्म-मंथन करने की बात कही।

उनकी ये बातें मंगलवार को शिव सेना के सुनील शिंदे की कही बातों से मिलती-जुलती थीं, जब पूर्व विधायक सचिन अहीर शिंदे के नेतृत्व वाली सेना में शामिल हुए थे। सुनील शिंदे ने भी पार्टी के भीतर आत्म-मंथन की मांग की है, हालांकि उन्हें अहिर के पार्टी छोड़ने के बावजूद वर्ली सीट पर शिव सेना की जीत की उम्मीद है। शिंदे ने कहा, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को आत्म-मंथन करना चाहिए। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कैसे उन्होंने 14 में वर्ली में सचिन अहिर को हराया था और 19 में आदित्य ठाकरे ने यह सीट जीती थी। सुनील शिंदे के बयान के एक दिन बाद, संजय राउत ने भी इसी तरह आत्म-मंथन की अपील की है। इससे संकेत मिलता है कि पार्टी में कुछ लोगों को खास तवज्जो दिए जाने को लेकर शिवसेना के वफादार नेताओं में नाराजगी हो सकती है। पिछले कुछ हफ्तों में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना में एक बड़ा संकट सामने आया है, क्योंकि छह सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले खेमे में चले गए हैं।

सभी फायदा उठाने वाले लोग पार्टी छोड़कर चले गए

राउत ने बुधवार को कहा, हमें अपने राजनीतिक भविष्य के बारे में आत्म-मंथन करने की ज़रूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में कुछ लोगों को सब कुछ मिला और वे सभी फ़ायदा उठाने वाले लोग पार्टी छोड़कर चले गए। राउत ने एकनाथ शिंदे पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि उनका राजनीतिक करियर उद्धव सेना के कंधों पर बना है, और अब वे और उनके बेटे श्रीकांत शिंदे उन्हें सिखा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को हर पद, हर शक्ति न दी होती तो वे कहाँ होते? वे आज जो कुछ भी हैं, पार्टी में नेतृत्व से उन्हें जो कुछ भी मिला है, उसी की वजह से हैं।

कोर्ट ने मप्र पुलिस को फटकारा

» जीतू पटवारी को अब तक क्यों नहीं ढूंढ पाए?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। जीतू पटवारी के खिलाफ ग्वालियर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने जमानती वारंट जारी किया है। मामला साल 24 के लोस चुनाव के दौरान हुई एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें बसपा के प्रत्याशी देवाशीष जरारिया ने जीतू पटवारी पर आरोप लगाए थे। पटवारी ने देवाशीष पर सार्वजनिक आरोप लगाया था कि उनकी बीजेपी से साठगांठ रही है, जिसके बाद उनपर मानहानि का केस हुआ।

इसी मामले में कोर्ट ने पटवारी को 16 जनवरी को पेश होने का नोटिस जारी किया था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद से कोर्ट ने उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया। कोर्ट ने पुलिस को फटकार भी लगाई और सवाल किया कि अब तक पटवारी को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा सका है?

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी20 मैच आज

» सूर्यवंशी कर सकते हैं डेब्यू बारिश कर सकती है खेल को खराब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेस्टर ली स्ट्रीट। आयरलैंड के खिलाफ मिली करारी शिकस्त को भुलाकर भारतीय क्रिकेट टीम आज से इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के जरिए एक नई शुरुआत करने उतर रही है। नए कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में 'मेन इन ब्लू' बुधवार को चेस्टर-ली-स्ट्रीट के रिवरसाइड ग्राउंड पर मेजबान इंग्लैंड का सामना करेगी। आयरलैंड में 2-0 से क्लीन स्वीप होने के बाद टीम इंडिया के पास इस सीरीज के जरिए अपनी खोई हुई लय और आत्मविश्वास वापस पाने का मौका है, लेकिन इस महामुकाबले से पहले काले बादलों का साया मंडरा रहा है।

बारिश खेल में खलल डाल सकती है। वहीं भारतीय बल्लेबाजों को अपनी सोच और खेलने के तरीके में बदलाव करना होगा क्योंकि इंग्लैंड में भी लगभग आयरलैंड जैसे ही हालात होंगे और वहां अधिक बेहतर और अनुभवी खिलाड़ियों से सामना होगा। इंग्लैंड के पास जोश टंग, साकिब महमूद और सोनी बेकर जैसे बहुत तेज गति वाले गेंदबाज हैं और आदिल रशीद तथा रेहान अहमद जैसे चतुर स्पिन गेंदबाज भी हैं। वहीं भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने सीरीज शुरू होने से एक दिन पहले वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू को लेकर चुप्पी साध ली, लेकिन कहा कि कुछ महीने पहले टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले खिलाड़ियों का समर्थन करना जरूरी है। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए सूर्यवंशी को टीम में शामिल किए जाने के बाद से उनके डेब्यू की मांग बढती जा रही है। हालांकि, अय्यर ने कहा कि सभी खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल होना जरूरी है। 15 साल के सूर्यवंशी को टीम में शामिल करने के लिए संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी को तोड़ना होगा।

एशियाड के लिए भारतीय महिला टीम का एलान

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की महिला चयन समिति ने सितंबर 2026 में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है। भारतीय टीम मौजूदा चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी। उसने 2023 में चीन के हांगझोउ एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। टीम में ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं जो हाल ही में महिला टी20 विश्वकप का हिस्सा रही थीं। केवल यास्तिका भाटिया को स्क्वॉड से बाहर किया गया है। बल्लेबाजी विभाग में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष शामिल हैं। जी. कमलिनी को दूसरे विकेटकीपर के रूप में टीम में जगह मिली है। गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव और भारती फुलमाली संभालेंगी। वहीं श्री चरणी, श्रेयंका पाटिल और नंदनी शर्मा टीम को अतिरिक्त मजबूती देंगी। हालांकि, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि श्रेयंका पाटिल का चयन उनकी फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन रहेगा।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मनाया जन्मदिन, 53 साल के हुए सपा प्रमुख

सीएम योगी समेत कई नेताओं ने दी बधाई, सपा कार्यकर्ताओं ने अस्पतालों में मरीजों को फल व भोजन का वितरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का आज जन्मदिन है और वो 53 साल के हो गए हैं। अखिलेश यादव को उनके जन्मदिन पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी बधाई दी है। सीएम योगी ने लिखा, यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई।

प्रभु श्री राम से आपके लिए आरोग्यता और दीर्घायु की प्रार्थना है। सीएम योगी ने भी 5 जून को अपना 55वां जन्मदिन मनाया है। देश के कई नेताओं ने उन्हें बधाई दी। उधर लखे नऊ में सपा कार्यकर्ताओं ने अस्पतालों में मरीजों को फल व भोजन का वितरण किया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के 53वें जन्मदिन के अवसर पर सैफई में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर

रामगोपाल यादव ने अपने आवास के पास पार्टी नेताओं, विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ 53 अमलतास के पौधे लगाकर जन्मदिन मनाया।

राहुल गांधी ने पीडीए का किया जिक्र

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अखिलेश यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में लिखा, अखिलेश जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। पीडीए की हिस्सेदारी से सामाजिक न्याय का संकल्प हम मिलकर पूरा करेंगे। अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन के लिए शुभकामनाएं। राहुल गांधी के इस संदेश को राजनीतिक नजरिए से भी अहम माना जा रहा है। उन्होंने अपने संदेश में पीडीए का जिक्र कर समाजवादी

पार्टी और कांग्रेस दोनों को एक राजनीतिक संकेत देने की कोशिश की है।

पिता के निधन के बाद संभाली पार्टी

पिता मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद से समाजवादी पार्टी की कमान उनके हाथों में है। वर्ष 012 से 17 तक यूपी के सीएम रहे। राज्य में सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड उनके नाम पर है। अखिलेश पर 10 साल वनवास के बाद पार्टी की सत्ता में वापसी का दारोमदार है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अगले साल होना है।

अलग-अलग दुर्घटनाओं में 20 ज्यादा की मौत

» यूपी, राजस्थान, हरियाणा से लेकर पंजाब तक में हादसों ने छीनी जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बुधवार का दिन कई परिवारों के लिए मनहूस साबित हुआ। ये हादसे का दिन बना गया। अलग-अलग दुर्घटनाओं में यूपी, पंजाब, हरियाणा से लेकर राजस्थान तक लोगों की जान चली गई। इस हादसों में 20 से ज्यादा की मौत हो गई। जहां बठिंडा हाईवे पर अमरनाथ यात्रियों की गाड़ी ट्रक से टकरा गई जिसमें तीन की मौत, एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

राजस्थान के बाड़मेर से अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी टकराई तीन मरे राजस्थान के बाड़मेर से अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की एक गाड़ी डबवाली बठिंडा हाईवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह भीषण सड़क हादसा बुधवार सुबह तड़के करीब चार-पांच बजे हुआ। एक खड़े ट्रक से टकराने के कारण गाड़ी में सवार तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुखद घटना में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल यात्री को तत्काल प्रभाव से एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सरकारी कर्मचारी की सेवाएं अनुच्छेद 311(2) का सहारा लेकर समाप्त करना अनुचित : अमिताभ ठाकुर

» सुनील शुक्ला प्रकरण पर आजाद अधिकार सेना ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने बिना विभागीय कार्यवाही किये उत्तर प्रदेश पुलिस के कांस्टेबल

सुनील शुक्ला की सेवा समाप्ति को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311(2) तथा निष्पक्ष लोकसेवा से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न बताया है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी सरकारी कर्मचारी की सेवाएं अनुच्छेद 311(2) के अपवादों का सहारा लेकर समाप्त की जाती हैं, तो प्रशासन पर यह स्पष्ट करने की पूरी जिम्मेदारी होती है कि इस मामले में विभागीय कार्यवाही किया जाना व्यवहारिक या संभव नहीं है। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि इस मामले में ऐसे कोई तथ्य सामने नहीं आते दिखते हैं जिसमे विभागीय कार्यवाही किया जाना अव्यवहारिक या असंभव हो गया हो। अत: एक कर्मचारी द्वारा विभागीय भ्रष्टाचार का आरोप लगाने के बाद उन आरोपों की निष्पक्ष जांच किये बिना इस अपवाद का प्रयोग किया लोकनीति के सिद्धांतों के खिलाफ है।

महाराष्ट्र की राजनीति में फिर मचेगा बवाल

27 साल बाद कांग्रेस में घर वापसी शरद पवार की पार्टी, विलय को लेकर चर्चा जोरों पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति से बड़ी और धमाकेदार सियासी खबर सामने आ रही है। शरद पवार की पार्टी और कांग्रेस के बीच विलय को लेकर बेहद गंभीर चर्चा शुरू हो चुकी है। इस बात की आधिकारिक पुष्टि खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजय वडेट्टीवार ने की है।

एनडीटीवी से खास बातचीत में विजय वडेट्टीवार ने इस संभावित विलय पर मुहर लगाते हुए कहा शरद पवार की पार्टी के कांग्रेस में विलय को लेकर हमारे केंद्रीय आलाकमान के साथ बातचीत चल रही है। जो लोग भी कांग्रेस और शरद पवार की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा में विश्वास रखते हैं, उन सभी का हमारी पार्टी में हमेशा स्वागत है। सियासी गलियारों में इस खबर के बाद से हलचल तेज हो गई है। गौरतलब है कि साल 1999 में शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का गठन किया था। लेकिन समय का चक्र ऐसा घूमा कि साल 23 में उनके भतीजे अजीत पवार ने बगावत कर दी और एनसीपी को दो फाड़ कर दिया। अजीत पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ महाराष्ट्र की बीजेपी-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे। भतीजे की बगावत के बाद शरद पवार की पार्टी (एनसीपी-एसपी) महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, और अब दोनों दलों के पूरी तरह एक होने की सुगबुगाहट ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में नया उबाल ला दिया है।

हाल के झटकों से पार्टी चौकन्ना

ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे जैसे क्षेत्रीय नेताओं को हाल ही में राजनीतिक झटके लगे हैं। उनके सांसदों ने अपनी मूल पार्टियों को छोड़कर अलग गुट बनाने का फ़ैसला किया है और इसी माहौल में कांग्रेस के साथ संभावित विलय की चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, नई दिल्ली में शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के कांग्रेस में विलय को लेकर वरिष्ठ नेतृत्व स्तर पर बातचीत अब अंतिम चरण में है और इसमें सकारात्मक प्रगति हुई है। सूत्रों का यह भी कहना है कि कांग्रेस लीडरशिप ने एनसीपी(शरदचंद्र पवार) के उन विधायकों और सांसदों को हरी झंडी दे दी है जो कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, 85 साल के शरद पवार और उनकी पार्टी के राजनीतिक भविष्य को लेकर दो अलग-अलग राय सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी का एक धड़ा नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) में शामिल होने के पक्ष में है।

एनडीए बनाम कांग्रेस विलय पर आंतरिक मतभेद

इस खेमे के नेताओं का यह भी मानना है कि विपक्ष में रहने के कारण राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों पर विकास कार्यों और अपने चुनाव क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को हल करवाना मुश्किल हो गया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि दिवंगत डिप्टी सीएम अजित पवार चाहते थे कि अगर एनसीपी के दोनों गुट फिर से एक हो जाएं, तो भी एनडीए के साथ ही बने रहा जाए, क्योंकि वे पहले से ही इस गठबंधन का हिस्सा थे। हालांकि, उनके निधन के बाद दोनों गुटों के फिर से एक होने की संभावना कम हो गई है, लेकिन पार्टी के इस धड़े का मानना है कि एनडीए में अलग से शामिल होने में कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि, पार्टी के भीतर एक दूसरा गुट कांग्रेस के साथ विलय के पक्ष में बताया जाता है।

बस और ट्रक की टक्कर के बाद लगी आग, 7 की मौत, 15 घायल

» दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बुधवार तड़के एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। एक्सप्रेसवे पर एक सवारी बस और ट्रक के बीच हुई भीषण टक्कर के बाद दोनों वाहनों में अचानक आग लग गई।

इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 15 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना कोलवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत धनावड़ा के पास हुई। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर कार से टक्कर के बाद रेलिंग तोड़ नीचे गिरी स्लीपर बस, दो बच्चों समेत पांच यात्रियों की मौत

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार तड़के एक दिल दहला देने वाला भीषण सड़क हादसा सामने आया है। एक्सप्रेसवे पर एक प्राइवेट स्लीपर बस और अर्टिगा कार के बीच हुई जोरदार भिड़ंत के बाद बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे की रेलिंग तोड़ते हुए सीधे नीचे जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में दो मासूम बच्चों समेत कम से कम पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह जानलेवा दुर्घटना सुबह करीब 4:30 बजे बांगरमऊ पुलिस स्टेशन क्षेत्र के देवखारी गांव के पास एक्सप्रेसवे के किलोमीटर मार्कर 230 पर हुई। तड़के हुए इस हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस के मुताबिक, स्लीपर बस हरियाणा से बिहार जा रही थी, तभी आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर विपरीत दिशा से आ रही एक अर्टिगा कार से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर के कारण बस ड्राइवर का गाड़ी पर से नियंत्रण खो गया। बस एक्सप्रेसवे की रेलिंग तोड़कर नीचे सड़क पर जा गिरी, जबकि टक्कर में

अर्टिगा कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने कार में सवार मृतकों की पहचान धुनमुन (60), अंजू (40), दिव्या (6), अमृता (13) और ड्राइवर विनोद (45) के रूप में की है, इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार चार अन्य लोग और बस में यात्रा कर रहे चार यात्री घायल हो गए। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और फिलहाल उनका इलाज चल रहा है।

हरियाणा के अंबाला में भीषण सड़क हादसा पैदल चल रहे तीन लोगों को गाड़ी ने कुचला

हरियाणा के अंबाला के अंतर्गत मीठापुर में बुधवार सुबह एक भीषण हादसा हो गया। यहां सड़क किनारे चल रहे तीन लोगों को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।हादसा तेपला में नेशनल हाइवे 344 पर अंबाला-जगाधरी मार्ग पर हुआ। अज्ञात वाहन की टक्कर से एक महिला सहित तीन व्यक्तियों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान मोहित (20), मनीष (21) व शोभा (29) के रूप में हुई है। यह सभी उत्तर प्रदेश के ललितपुर के रहने वाले थे। अंबाला में ही एक वर्कशॉप में मजदूरी करते थे।सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंचीं और शव अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी। हादसा इतना भयावह था कि शवों के टुकड़े सड़क पर बिखर गए। हादसे की खबर सुनकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे को लेकर पुलिस जांच में जुटी है। आरोपी की तलाश भी जारी है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार** : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | **Email** : daily4pm@gmail.com | **website** : www.4pm.co.in
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा